हिंदी समन्वयकर्ता सम्मेलन का आयोजन

सम्मेलन में स्वागत संबोधन प्रस्तुत करते इंडियन ऑयल कारपोरेशन लि. बहादराबाद के प्रमुख, श्री कमल माहेश्वरी ।

नराकास, हरिद्वार के तत्वावधान में 06 जून, 2024 को समिति के सदस्य संस्थानों के राजभाषा अधिकारियों/ हिंदी समन्वयकर्ता अधिकारियों के लिए इंडियन ऑयल कारपोरेशन लि. बहादराबाद के सौजन्य से हिंदी समन्वयकर्ता सम्मेलन का आयोजन होटल विस्तारा ग्रांड, हरिद्वार में किया गया। सम्मेलन की अध्यक्षता टीएचडीसी इंडिया लि. के श्री एस.बी. प्रसाद, उप महाप्रबंधक (मा.सं. एवं प्रशा.) ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। सर्वप्रथम इंडियन ऑयल कारपोरेशन लि. बहादराबाद के प्रमुख, श्री कमल माहेश्वरी ने स्वागत संबोधन प्रस्तुत किया। समिति के सचिव श्री पंकज कुमार शर्मा ने सभी उपस्थित अधिकारियों को नराकास हरिद्वार की नवीन गतिविधियों के बारे में अवगत कराया तथा उन्होंने भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग के द्वारा 2024–25 के लिए जारी वार्षिक कार्यक्रम की प्रमुख मदों पर चर्चा की। साथ ही राजभाषा विभाग के द्वारा जारी नवीनतम आदेशों के बारे में अवगत कराया। कार्यक्रम में माननीय संसदीय राजभाषा समिति के समक्ष निरीक्षण के दौरान भरकर प्रस्तुत की जाने वाली प्रश्नावली में पुनरीक्षित बिंदुओं पर चर्चा की गई। इसके लिए बीएचईएल हरिद्वार के श्री योगेन्द्र प्रसाद, उप अधिकारी (राजभाषा) द्वारा प्रस्तुतीकरण दिया गया। इस अवसर पर टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के सहायक प्रबंधक (राजभाषा) ने राजभाषा विभाग की वेबसाइट पर सूचना प्रबंध प्रणाली में संस्थान का पंजीकरण कराने एवं तिमाही रिपोर्ट ऑनलाइन भरने के बारे में बताया गया। सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहे श्री प्रसाद ने अपने संबोधन में इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड बहादराबाद, हरिद्वार को इस सम्मेलन का आयोजन करने हेतु धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। उन्होंने नराकास की बैठकों और सम्मेलनों की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नराकास के माध्यम से राजभाषा हिंदी के प्रचार–प्रसार के जिस मिशन एवं लक्ष्य को हम पाना चाहते हैं, वह लक्ष्य सभी संस्थानों के परस्पर सहयोग के बिना संभव ही नहीं है और राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार का नराकास को गठित करने का उद्देश्य भी यही है कि सदस्य संस्थान विभिन्न अवसरों पर एक साथ बैठकर विचार–विमर्श करें। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि राजभाषा के प्रचार–प्रसार के इस अभियान से जुड़कर राजभाषा कार्यान्वयन में सहयोग करें।

******

Created by Universal Document Converter